

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
----------------	------------------------------------	---

13/1/26 पत्रावली पेश हुई। प्रेसिडेंट सरकार क्व. नं. 12 ली/लदार
 सेइवा से अन्तर्गत धारा 175, 177 अथवा 1955 में
 वर्तमान मौजा/ न्यायालय सिपोर्ट ऑफ हुक्म मिले शामिल
 पत्रावली किया जाता है। न्यायालय सिपोर्ट अनुसार
 तहसील सेइवा के मौजा जालीला के राजस्व रकड में
 अंकित स्वसरा सं. 367/155 रकबा 3.1646 हेक्टेयर
 इरूम बाराणी दोयम ग्राम विजयी के नाम स्वातेदारी
 पर राजस्व उभरलेख है। उक्त स्वातेदारी ग्राम के अतिरिक्त
 भाग पर अशर्ही शफी मोहम्मद पुत्र नालेनंगा ग्राम
 मुसलमान ने वृष में उपजा सुकाने के लिए अज्ञान व धुलाई
 कार्य उक्त उक्त स्वातेदारी ग्राम का गैर हिसि आयें हेतु
 उपयोग किया जा रहा था। जिस पर जोच उर शर्ही
 द्वारा उक्त उकरण न्यायालय में अर्जुत किया गया।
 न्यायालय के आदेश से उकरण में दिनांक 11.11.26 को
 पुनः मौजा देखा गया। ग्राम जालीला के स्वसरा सं.
 367/155 रकबा 3.1646 हेक्टेयर इरूम बाराणी दोयम में
 वर्तमान में गैर अहिसि कार्य उपजा धुलाई व सुकाने
 भादि नही हो रहा है। अतिरिक्त स्वातेदार श्री शफी मोहम्मद
 पुत्र नालेनंगा को देवायत दी गई कि वह अपनी उक्त
 स्वातेदारी ग्राम का ससम प्राधिकारी की अनुमति व
 आदेश के बिना गैर हिसि आयें हेतु दुबारा उपयोग न
 लेवे। चूंकि वर्तमान में अर्जुत उकरण में अशर्ही की
 स्वातेदारी ग्राम का किसी अहिसि आयें हेतु मौजे पर उपयोग
 या उमुक्त नही होने से अशर्ही के विरुद्ध अन्तर्गत धारा
 175, 177 अथवा 1955 का न्यायालय क्लर से निषमानुसार
 निरलाख उजा अनिल रहेगा। पत्रावली एवं मौजा सिपोर्ट
 का अवलोकन किया गया। अतः विजयी को निर्देश किये
 जाते हैं कि हिसि ग्राम का गैर हिसि आयें हेतु बिना ससम
 आज्ञा के उपयोग किया जाता है तो आवेदन तहसील सेइवा
 द्वारा पुनः पेश किया जा सतल है जिस पर निषमानुसार
 अतिरिक्त की जायेगी। इस पत्रावली को इसी क्लर पर
 अन्तर्गत किया जाता है। पत्रावली फलतः मुफ्त रीतर
 कारिका क्लर है। संख्या से उम है।

